International Journal of Multidisciplinary Research and Development

Volume: 2, Issue: 7, 534-535
July 2015
www.allsubjectjournal.com
e-ISSN: 2349-4182
p-ISSN: 2349-5979
Impact Factor: 3.762

लक्षमी कान्त मिश्रा
प्रवक्ता अर्थशास्त्र सीताराम समर्पण महाविद्यालय, नरैनी बॉदा उत्तर प्रदेश

रमाकान्त द्विवेदी
प्रवक्ता भूगोल सीताराम समर्पण महाविद्यालय, नरैनी बॉदा उत्तर प्रदेश

Correspondence:
लक्षमी कान्त मिश्रा
प्रवक्ता अर्थशास्त्र सीताराम समर्पण महाविद्यालय, नरैनी बॉदा उत्तर प्रदेश

चित्रकूट धाम मण्डल बॉदा में जनांकिकीय अभिलक्षणों का आर्थिक विष्लेषण लक्ष्मी

लक्षमी कान्त मिश्रा, रमाकान्त द्विवेदी

शोध सारांष
चित्रकूट धाम मण्डल बॉदा बुन्देलखण्ड ;उत्तर प्रदेशद्ध प्रदेश का नवसृजित मण्डल है, जो अभी प्रशासनिक एवं आर्थिक दृष्टि से शैशव अवस्था पर है। यह क्षेत्र भौगोलिक प्रदेश का भी सीमांकन करता है। यहॉ की कार्स्ट स्थलाकृति देश में ही नहीं वरन विश्व की कार्स्ट स्थलाकृतियों में एक हैं। मण्डल का भौगोलिक क्षेत्रफल 14790 वर्ग किलोमीटर है, जहॉ मानव गणना वर्ष 2011 के अनुसार मण्डल में कुल परिवार संख्या 851475 जिनमें 4771350 व्यक्ति निवास करते हैं, जिसमें 2553467 पुरूष तथा 2217883 महिला निवास करती है। जिसमें कुल ग्रामीण जनसंख्या 4004034 है, तथा 2145394 पुरूष और 1858640 महिला है जिसमें ग्रामीण यौन अनुपात 866, तथा महिला प्रतिशत दशकीय वृद्धि दर 17.54 है। मण्डल में कृषक जनसंख्या का प्रतिशत 5.93, पारिवारिक उद्योग पर 3.037, मण्डल में अन्य कर्मकर का प्रतिशत 3.16, कृषक मजदूर का प्रतिशत 4.00 है। शेष 86.06 प्रतिशत जनसंख्या मण्डल में बेरोजगार है। प्रस्तुत शोध प्रपत्र में जनसंख्या स्वरूप और कार्यशील जनसंख्या के स्वरूप का अध्ययन सम्मिलित है।

प्रस्तावना– किसी क्षेत्र/प्रदेश के आर्थिक विकास के लक्षणों में जनांकिकीय अभिलक्षणों का महत्वपूर्ण योगदान होता है, यहॉ जनसंख्या का विरल बसाव है। किसी भी भू–भाग परिक्षेत्र में यदि जनसंख्या का विरल बसाव है तो वहॉ का आर्थिक स्वरूप निम्नतम होगा, यदि जनसंख्या का सघन बसाव है तो वहॉ का अर्थिक स्वरूप उच्च होगा। क्षेत्र के विकास की किया में कृषि, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, यातायात, संचार, बैंकिगं, न्याय तथा प्रशासन इत्यादि सुविधाओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उपर्युक्त सुविधाओं से युक्त क्षेत्र जनांकिकीय अभिलक्षणों को व्यक्त करता है। मानव स्वयं एक महत्पूर्ण साधन है जो निर्माणकर्ता एवं उपभोगकर्ता स्मयं ही है, जिस कारण किसी भी क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक विकास में वहॉ की जनसंख्या की अहम भूमिका होती है। उसी को ध्यान में रखते हुए चित्रकूट धाम मण्डल बॉदा की जनांकिकीय अभिलक्षणों का आर्थिक विश्लेषण किया गया है।

उद्देश्य– प्रस्तुत शोध प्रपत्र के मुख्य उद्देश्य मण्डल में जनसंख्या वृद्धि दर, वितरण, घनत्व, यौन अनुपात, साक्षरता तथा व्यावसायिक और कार्यिक घनत्व तथा कृषि घनत्व का आर्थिक विश्लेषण कर क्षेत्र में आर्थिक विकास की स्थिति का ऑकलन करना।
शोध के माध्यम से शासन प्रशासन को अवगत करना कि अल्पविकसित मण्डल की जनसंख्या का रोजगार सृजन द्वारा समुचित विकास के उद्देश्य को सार्थक सिद्ध करना।

विधि तन्त्र– प्रस्तुत शोध पत्र जनपदवार द्वितीयक ऑकड़ों के विशलेषण पर आधारित है। जिसमें मण्डल संख्यिकीय एवं जिला संख्यिकीय पत्रिका से प्राप्त आंकडे हैं।

जनसंख्या अध्ययन–

गणना वर्ष	कुल संनसंख्या	दशकीय वृद्धि	घनत्व	यौन अनुपात	सक्षरता प्रतिशत पुरूष/महिला	कृषि घनत्व	कृषि श्रमिक जनसंख्या का प्रतिशत	अन्य श्रमिक जनसंख्या का प्रतिशत
1991	3328630	_	225	841	51.86 . 17.61	232	10	04
2001	4055730	21.84	274	861	57.75 . 32.94	244	05	06
2011	4771350	14.79	315	869	77.49 . 53.95	277	08	07

स्रोत जिला संख्यिकीय पत्रिका

उपरोक्त सारणी में सन् 1991 से 2011 तक के जनसंख्या स्वरूप को व्यक्त किया गया है। मण्डल में दशकीय वृद्धि सन् 1991 से 2001 के मध्य 21.84 रही जबकि 2001–2011 में दशकीय वृद्धि में 7.05 प्रतिशत की गिरावट देखी गयी। इसका कारण परिवार नियोजन कार्यक्रम एवं शिक्षा की वृद्धि है जिस कारण जनसंख्या में गिरावट आई है। मण्डल में जनघनत्व लगातार बढ़ रहा है, यौन अनुपात में

वृद्धि जारी है, लेकिन राष्ट्रीय यौन अनुपात 993 से यह काफी कम है जो एक चिन्ता का विषय बना हुआ है। मण्डल में पुरूष तथा महिला साक्षरता का स्तर भी लगातार बढ रहा है। मण्डल में कृषि घनत्व में वृद्धि तथा कृषि श्रमिकों में गिरावट एवं अन्य श्रमिकों में वृद्धि देखी गयी है।

निष्कर्ष– उपरोक्त शोध प्रपत्र में चित्रकूट धाम मण्डल की जनांकिकीय अभिलक्षणों का आर्थिक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। किसी क्षेत्र के आर्थिक विकास में जनांकिकीय अभिलक्षणों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। चित्रकूट धाम मण्डल बॉदा की कुल जनसंख्या का क्रमशः प्रतिशत कृषक 5.93ः, पारिवारिक उद्योग पर 0.37ः, अन्य कर्मकर 3.16ः तथा कृषक मजदूर 4.00ः हैं, मण्डल की शेष 86.7ः जनसंख्या पूर्णतया बेरोजगार है, जो आर्थिक तंगी के शिकार है, अर्थात यहॉ की जनसंख्या का आर्थिक स्वरूप निम्न स्तर का है। चित्रकूट धाम मण्डल बॉदा बुन्देलखण्ड मण्डल का विस्तार खण्ड उत्तर प्रदेश राज्य का नवसृजित मण्डल है, जो अभी तक आर्थिक दृष्टि से पिछड़ा हुआ है यह मण्डल औद्योगिक दृष्टि से शून्य है अर्थात शोधरत् मण्डल में एक भी औद्योगिक इकाई आज तक स्थापित नहीं हो सकी है जो मण्डल के लोगों को रोजगार दे सके, जिस कारण यहॉ के लोग रोजगार की तलाश में इधर से पलायन कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त विकास की प्रगति में सहायक कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, यातायात, बैंकिगं, न्याय तथा प्रशासन इत्यादि सुविधायें आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन करती है, जिनका हमारे मण्डल में समुचित विकास नहीं हो सका। अंततः शोध प्रपत्र द्वारा व्यक्त होता है कि मण्डल का आर्थिक स्वरूप अत्यन्त निम्न है, मण्डल में देश के अन्य भू–भागों की अपेक्षा जनसंख्या का बसाव विरल है यहॉ कृषि योग्य भूमि का प्रतिशत कम है, सिंचाई की अनउपल्बधता व आधुनिकी करण का अभाव, जो कृषि के विकास के लिए समस्या है। उपरोक्त बिन्दुओं का समुचित विकास कर क्षेत्र के आर्थिक स्वरूप को बदला जा सकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

डा0 कान्त कमला : प्रादेशिक विकास एवं नियोजन, प्रकाशक तारा बुक डिपो, वाराणसी
डा0 सिंहा वी0 सी एवं सिंहा पुष्पा : भारतीय अर्थव्यवस्था, प्रकाशक साहित्य भवन आगरा
योजना मासिक पत्रिका मार्च 2010
प्रतियोगिता दर्पण, भारतीय अर्थव्यवसथा
जिला सांख्यिकीय पत्रिका
मण्डल सांख्यिकीय पत्रिका